ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL**04292**
RNI REG. NO. UPBIL/**2014/66218** **PP. No.- 211-216**

I S S N NO. - 2347 – 2944 (Print)
e–I S S N NO.- 2582 – 2454 (Online)
Vol.-20, No.- III, Issues-41, YEAR- July-Sept. 2026

सेवारत अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन

डॉ0 पुनीत कुमार पण्ड्या, 2. आकांक्षा दुबे

शोध पर्यवेक्षक, 2. शोध अध्येत्री– शिक्षा संकाय, जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ, (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय), डबोक, उदयपुर, (राजस्थान) भारत

Received-18.08.2026, Revised-25.08.2026, Accepted-02.09.2026, **E-mail:dramitkumardave2000@gmail.com**

सारांशः प्रस्तुत शोध आलेख "सेवारत अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना" सर्वेक्षण विधि को आधार बनाकर 400 के न्यादर्श पर स्व निर्मित उपकरण के माध्यम से दत्तों कासंग्रहण कर संपन्न किया गया। प्रस्तुत आलेख क्रमशः निम्न उद्देश्यों "सेवारत अध्यापकों (समग्र) की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं का अध्ययन करना। सेवारत पुरुष– महिला अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं का अध्ययन करना एवं तुलनात्मक विश्लेषण करना।" को आधार बना सम्पन्न किया गया। अध्ययन के पश्चात निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि सेवारत अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओ का स्तर उच्च पाया गया। सेवारत अध्यापकों द्वारा गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से शिक्षण– अधिगम प्रक्रिया से संबंधित, छात्रों के स्तर एवं व्यवहार से संबंधित, वैयक्तिक, अकादमिक, व्यवसायिक विकास एवं प्रशिक्षण से संबंधित, विद्यालय प्रबंधन एवं प्रशासन से संबंधित, विद्यालय प्रभार, अतिरिक्त कार्यभार एवं गैर शैक्षणिक कार्य मेंसमन्वयन से संबंधित, समय नियोजन एवं कार्य तुष्टीकरण से संबंधित, तकनीकी समझ एवं निष्पादन से संबंधित समस्याएं अधिकांशतः अनुभूत की जाती हैं, जबकि सेवारत पुरुष एवं सेवारत महिला अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं से संबंधित समस्त क्षेत्रों में सार्थक अंतर नहीं पाया गया। तथापि सेवारत पुरुष अध्यापकों की अपेक्षा सेवारत महिला अध्यापकों में गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याएँ अधिक पाई गई।

कुंजीभूत शब्द– सेवारत, शैक्षणिक, गैर– शैक्षणिक, संलग्नता, अनुभूत, समस्याएँ, सेवारत अध्यापक, नियोजन, तुष्टीकरण, अकादमिक।

प्रस्तावना– वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिक्षा समाज पर सरसरी दृष्टि डालें तो हम कई प्रकार की सूचनाओं स्वयं को युक्त पाते हैं। प्रशासन शिक्षा समाज के माध्यम से राज्य, केंद्र एवं स्थानीय निकाय अपने संपूर्ण कार्यों को संपन्न करवाने की रूपरेखा तैयार करते हैं। दूसरी तरफ इन शिक्षकों के माध्यम से ही भारत का भावी भविष्य तैयार करने की संपूर्ण जिम्मेदारी रहती है। तथापि विकट परिस्थितियों के मध्य में शिक्षक सदैव बहुत पक्षीय जिम्मेदारियां से युक्त रहते हुए अपने कर्त्तव्य का पालन करते हुए जिम्मेदारियों का निष्पादन करते हुए देखे जाते हैं। राज्य एवं केंद्र के बहुत से कार्य ऐसे हैं, जो बिना शिक्षकों के सहयोग से संपन्न कराए जाने अत्यंत ही कठिन हैं। इन कार्यक्रमों में स्थानीय स्तर पर परिणाम प्राप्ति हेतु यदि शिक्षकों को नियोजित कर लिया जाता है, तो कार्य की सफलता का स्तर बहुत ही ऊँचा एवं विश्वसनीय बन पड़ता है। सेवारत अध्यापकों को गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों यथा जनगणना, पशुगणना आपदा प्रबंधन, सर्वेक्षण, स्वास्थ्य कार्यक्रम, जन जागरूकता, स्थानी, राजकीय एवं केंद्रीय चुनाव कार्य आदि के अंदर सतत लगा कर कार्यों को संपन्न कराया जाता है। इन कार्यों में सेवारत अध्यापकों की संलग्नता से विद्यालयों की, शिक्षकों की एवं विद्यालय में शिक्षक संबंधी कार्यों की गति प्रभावित देखी जाती है। सेवारत अध्यापकों को गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्न करने से उन्हें शिक्षण– अधिगम प्रक्रिया से संबंधित, छात्रों के स्तर एवं व्यवहार से संबंधित, वैयक्तिक,अकादमिक, व्यवसायिक विकास एवं प्रशिक्षण से संबंधित, विद्यालय प्रबंधन एवं प्रशासन से संबंधित, विद्यालय प्रभार, अतिरिक्त कार्यभार एवं गैर शैक्षणिक कार्य में समन्वयन से संबंधित, समय नियोजन एवं कार्य तुष्टीकरण से संबंधित, तकनीकी समझ एवं निष्पादन से संबंधित समस्याएं अधिकांशतः अनुभूत की जाती हैं। इन्हें छोड़ अन्य कई समस्याओं का अध्यापकों को सामना करना पड़ता है। दोहरे कार्य प्रभार से शिक्षकों की एवं संस्थाओं की संचालन गति भी सतत प्रभावित दिखती है।

प्रस्तुत शोध आलेख सेवारत अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में सलंग्नता से अनुभूत समस्याओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन शीर्षक आधारित है। प्रस्तुत शोध आलेख के माध्यम से सेवारत अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं का विविध पक्षीय विवेचनात्मक अध्ययन का उल्लेख किया गया है।

शोध उदेश्य– प्रस्तुत शोध कार्य हेतु निम्नलिखित उद्देश्यों का निर्माण किया गयाः

1. सेवारत अध्यापकों (समग्र) की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं का अध्ययन करना।
2. सेवारत पुरुष अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं का अध्ययन करना।
3. सेवारत महिला अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं का अध्ययन करना।
4. सेवारत पुरुष एवं महिला अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं का तुलनात्मक विश्लेषण करना।

शोध परिकल्पना– प्रस्तुत कार्य हेतु निम्नलिखित परिकल्पना का निर्माण किया गयाः

सेवारत पुरुष एवं महिला अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में से अनुभूत समस्याओं में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता।

शोध विधि– प्रस्तुत शोध कार्य"सेवारत अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन" को संपन्न करने हेतु सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया। तात्कालिक एवं क्षेत्रीय शोध की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए सर्वेक्षण विधि इस कार्य को करने हेतु उपयुक्त शोध विधि है।

शोध उपकरण–प्रस्तुत शोध कार्य को संपन्न करने हेतु निम्नलिखित स्व निर्मित उपकरण का उपयोग किया गयाः

"सेवारत अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याएं ज्ञात करने हेतु प्रश्नावली"

शोध न्यादर्श– प्रस्तुत शोध कार्य में न्यादर्श चयन सोद्देश्य विधि के द्वारा दक्षिणी राजस्थान के 200 सरकारी विद्यालयों का चयन किया गया। 200 सरकारी विद्यालयों में से 100 बालिका विद्यालय एवं 100 बालक विद्यालयों का चयन शोध हेतु किया गया। चयनित 200 विद्यालयों में से प्रत्येक विद्यालय से विद्या लय की प्रकृति के अनुरूप 2–2 महिला एवं पुरुष अध्यापकों का चयन किया गया। इस प्रकार चयनित 200 सरकारी विद्यालयों में से कुल 400 अध्यापकों का चयन किया गया, जो समान रूप से महिला एवं पुरुष अध्यापकों के रूप में चयनित किए गए।

1. सेवारत अध्यापकों (समग्र) की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं का विश्लेषणात्मक अध्ययनः सेवारत अध्यापकों (समग्र N 400) की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं का अध्ययन करने हेतु सेवारत

I S S N NO. - 2347 – 2944 (Print)
e–I S S N NO.- 2582 – 2454 (Online)
Vol.-20, No.- III, Issues-41, YEAR- July-Sept. 2026

अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याएं ज्ञात करने हेतु प्रश्नावली राजकीय विद्यालयों में सेवारत अध्यापकों द्वारा भरवाई गई तथा प्रश्नावली से प्राप्त दत्तों के आधार पर मध्यमान एवं मानक विचलन ज्ञात कर सेवारत अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं का सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया, जो निम्न सारणी संख्या 1 में प्रस्तुत है:

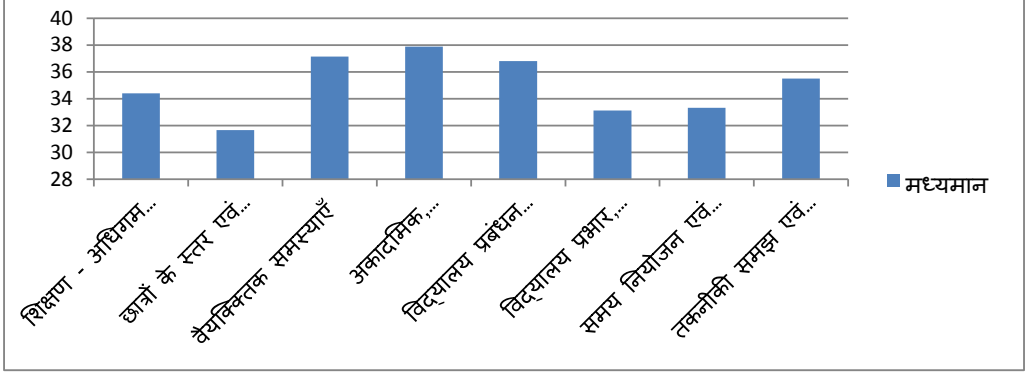
सारणी संख्या 1

सेवारत अध्यापकों (N 400) की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओ से संबंधित दत्तों के मध्यमान एवं मानक विचलन

क्र.सं.	क्षेत्र	मध्यमान	मानक विचलन
1.	शिक्षण – अधिगम प्रक्रिया से संबंधित समस्याएँ	34.40	4.14
2.	छात्रों के स्तर एवं व्यवहार संबंधी समस्याएँ	31.65	3.98
3.	वैयक्तिक समस्याएँ	37.15	4.09
4.	अकादमिक, व्यवसायिक विकास एवं प्रशिक्षण संबंधी समस्याएं	37.88	5.26
5.	विद्यालय प्रबंधन एवं प्रशासन संबंधी समस्याएं	36.80	4.74
6.	विद्यालय प्रभार, अतिरिक्त कार्यभार एवं गैर शैक्षणिक कार्य में समन्वयन संबंधी समस्याएँ	33.12	4.21
7.	समय नियोजन एवं कार्य तुष्टीकरण संबन्धी समस्याएँ	33.31	4.21
8.	तकनीकी समझ एवं निष्पादन संबंधी समस्याएं	35.50	4.49
		279.37	23.76

आरेख संख्या 1

सेवारत अध्यापकों (N 400) की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओ से संबंधित दत्तों के मध्यमान



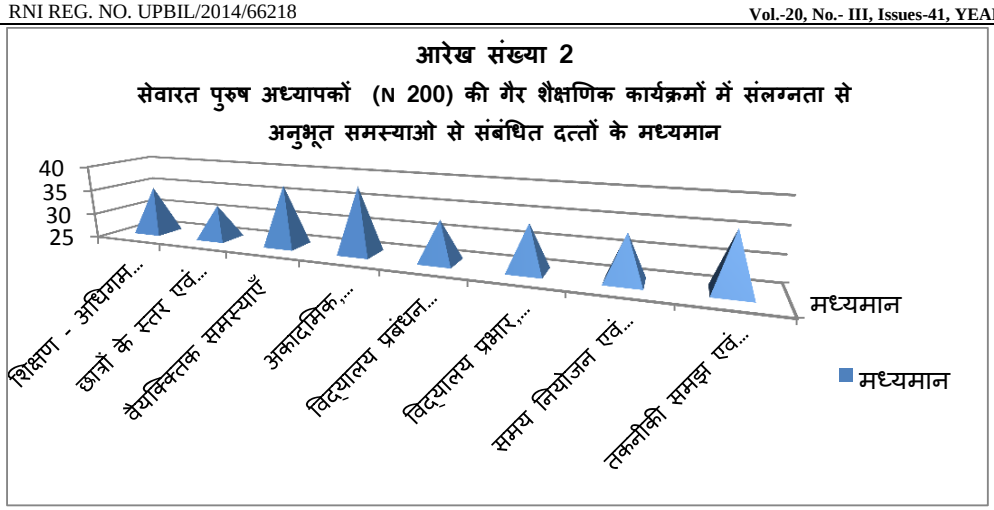
विश्लेषण–सारणी एवं आरेख संख्या 1 के आधार पर यह ज्ञात होता है कि सेवारत अध्यापकों (N 400) की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओ से संबंधित दत्तों का मध्यमान 279.37 तथा मानक विचलन 23.76 प्राप्त हुआ है, जो मध्य मध्य बिन्दु 252 से अधिक है। अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि सेवारत अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओ का स्तर उच्च पाया गया। सेवारत अध्यापकों द्वारा गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से शिक्षण– अधिगम प्रक्रिया से संबंधित, छात्रों के स्तर एवं व्यवहार से संबंधित, वैयक्तिक, अकादमिक, व्यवसायिक विकास एवं प्रशिक्षण से संबंधित, विद्यालय प्रबंधन एवं प्रशासन से संबंधित, विद्यालय प्रभार, अतिरिक्त कार्यभार एवं गैर शैक्षणिक कार्य में समन्वयन से संबंधित, समय नियोजन एवं कार्य तुष्टीकरण से संबंधित, तकनीकी समझ एवं निष्पादन से संबंधित समस्याएं अधिकांशतः अनुभूत की जाती हैं।

सारणी संख्या 2

सेवारत पुरुष अध्यापकों (N 200) की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओ से संबंधित दत्तों के मध्यमान एवं मानक विचलन

क्र.सं.	क्षेत्र	मानक विचलन	मानक विचलन
1.	शिक्षण – अधिगम प्रक्रिया से संबंधित समस्याएँ	34.10	4.11
2.	छात्रों के स्तर एवं व्यवहार संबंधी समस्याएँ	31.35	3.95
3.	वैयक्तिक समस्याएँ	37.0	4.07
4.	अकादमिक, व्यवसायिक विकास एवं प्रशिक्षण संबंधी समस्याएं	36.70	5.20
5.	विद्यालय प्रबंधन एवं प्रशासन संबंधी समस्याएं	37.58	5.17
6.	विद्यालय प्रभार, अतिरिक्त कार्यभार एवं गैर शैक्षणिक कार्य में समन्वयन संबंधी समस्याएँ	32.42	4.09
7.	समय नियोजन एवं कार्य तुष्टीकरण संबन्धी समस्याएँ	33.01	4.18
8.	तकनीकी समझ एवं निष्पादन संबंधी समस्याएं	35.20	4.46
		277.36	23.22

I S S N NO. - 2347 – 2944 (Print)
e–I S S N NO.- 2582 – 2454 (Online)
Vol.-20, No.- III, Issues-41, YEAR- July-Sept. 2026



2. सेवारत पुरुष अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं का विश्लेषणात्मक अध्ययनः

सेवारत पुरुष अध्यापकों (N 200) की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं का अध्ययन करने हेतु सेवारत अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याएं ज्ञात करने हेतु प्रश्नावली राजकीय विद्यालयों में सेवारत अध्यापकों द्वारा भरवाई गई व प्रश्नावली से प्राप्त दत्तों के आधार पर मध्यमान एवं मानक विचलन ज्ञात कर सेवारत अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं का सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया, जो उपरोक्त सारणी संख्या 2 में प्रस्तुत है।

विश्लेषण– सारणी एवं आरेख संख्या 2 के आधार पर यह ज्ञात होता है कि सेवारत पुरुष अध्यापकों (N 400) की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओ से संबंधित दत्तों का मध्यमान 277.36 तथा मानक विचलन 23.22 प्राप्त हुआ है, जो मध्य मध्य बिन्दु 252 से अधिक है। अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि सेवारत पुरुष अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओ का स्तर उच्च पाया गया। सेवारत पुरुष अध्यापकों द्वारा गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से शिक्षण– अधिगम प्रक्रिया से संबंधित, छात्रों के स्तर एवं व्यवहार से संबंधित, वैयक्तिक, अकादमिक, व्यवसायिक विकास एवं प्रशिक्षण से संबंधित, विद्यालय प्रबंधन एवं प्रशासन से संबंधित, विद्यालय प्रभार, अतिरिक्त कार्यभार एवं गैर शैक्षणिक कार्य में समन्वयन से संबंधित, समय नियोजन एवं कार्य तुष्टीकरण से संबंधित, तकनीकी समझ एवं निष्पादन से संबंधित समस्याएँ अधिकांशतः अनुभूत की जाती हैं।

सारणी संख्या 3
सेवारत महिला अध्यापकों (N 200) की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओ से संबंधित दत्तों के मध्यमान एवं मानक विचलन

क्र.सं.	क्षेत्र	मध्यमान	मानक विचलन
1.	शिक्षण – अधिगम प्रक्रिया से संबंधित समस्याएँ	34.70	4.15
2.	छात्रों के स्तर एवं व्यवहार संबंधी समस्याएँ	31.95	3.99
3.	वैयक्तिक समस्याएँ	37.30	4.11
4.	अकादमिक, व्यवसायिक विकास एवं प्रशिक्षण संबंधी समस्याएं	38.18	5.21
5.	विद्यालय प्रबंधन एवं प्रशासन संबंधी समस्याएं	33.02	4.13
6.	विद्यालय प्रभार, अतिरिक्त कार्यभार एवं गैर शैक्षणिक कार्य में समन्वयन संबंधी समस्याएँ	33.82	4.22
7.	समय नियोजन एवं कार्य तुष्टीकरण संबन्धी समस्याएँ	33.61	4.22
8.	तकनीकी समझ एवं निष्पादन संबंधी समस्याएं	35.80	4.50
		281.38	24.12

3. सेवारत महिला अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं का विश्लेषणात्मक अध्ययनः

सेवारत महिला अध्यापकों (N 200) की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं का अध्ययन करने हेतु सेवारत महिला अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याएं ज्ञात करने हेतु प्रश्नावली राजकीय विद्यालयों में सेवारत महिला अध्यापकों द्वारा भरवाई गई तथा प्रश्नावली से प्राप्त दत्तों के आधार पर मध्यमान एवं मानक विचलन ज्ञात कर सेवारत महिला अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं का सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया, जो उपरोक्त सारणी संख्या 3 में प्रस्तुत है।

विश्लेषण– सारणी एवं आरेख संख्या 3 के आधार पर यह ज्ञात होता है कि सेवारत महिला अध्यापकों (N 200) की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओ से संबंधित दत्तों का मध्यमान 281.38 तथा मानक विचलन 24.12 प्राप्त हुआ है, जो मध्य मध्य बिन्दु 252 से अधिक है।

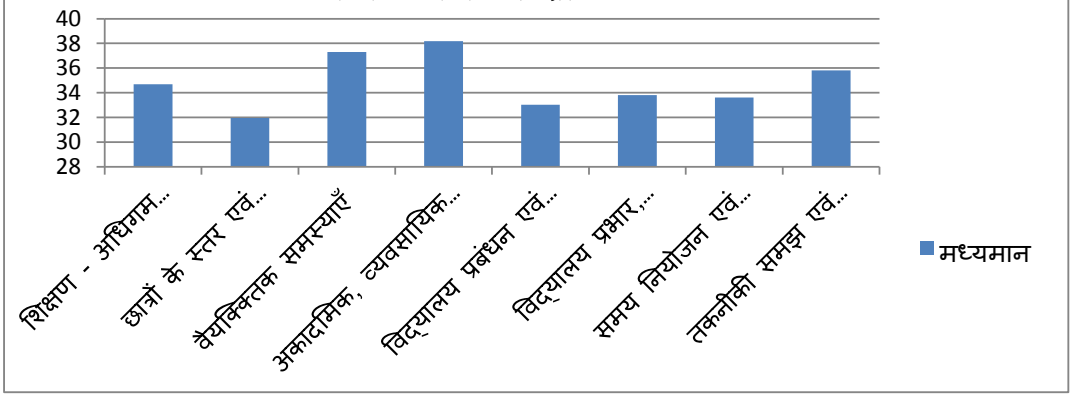
अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि सेवारत महिला अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओ का स्तर उच्च पाया गया।

सेवारत महिला अध्यापकों द्वारा गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से संबंधित क्षेत्रों यथा– शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया से संबंधित, छात्रों के स्तर एवं व्यवहार से संबंधित, वैयक्तिक, अकादमिक, व्यवसायिक विकास एवं प्रशिक्षण से संबंधित, विद्यालय प्रबंधन एवं प्रशासन से संबंधित, विद्यालय प्रभार, अतिरिक्त कार्यभार एवं गैर शैक्षणिक कार्य में समन्वयन से संबंधित, समय नियोजन एवं कार्य तुष्टीकरण से संबंधित, तकनीकी समझ एवं निष्पादन से संबंधित समस्याएँ अधिकांशतः अनुभूत की जाती हैं।

I S S N NO. - 2347 – 2944 (Print)
e–I S S N NO.- 2582 – 2454 (Online)
Vol.-20, No.- III, Issues-41, YEAR- July-Sept. 2026

आरेख संख्या 3

सेवारत महिला अध्यापकों (N 200) की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओ से संबंधित दत्तों के मध्यमान



4. सेवारत पुरुष एवं महिला अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं का तुलनात्मक विश्लेषण–

सेवारत पुरुष (N 200) एवं महिला (N 200) अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं का तुलनात्मक अध्ययन करने हेतु "सेवारत पुरुष एवं महिला अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याएं ज्ञात करने हेतु प्रश्नावली" राजकीय विद्यालयों में सेवारत पुरुष एवं महिला अध्यापकों द्वारा भरवाई गई तथा प्रश्नावली से प्राप्त दत्तों के आधार पर मध्यमान, मानक विचलन एवं "टी" मूल्य की गणना कर सेवारत पुरुष एवं महिला अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं का तुलनात्मक सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया, जो निम्न सारणी संख्या 4 में प्रस्तुत है:

सारणी संख्या 4

सेवारत पुरुष (N 200) एवं महिला (N 200) अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं से संबंधित दत्तों के मध्यमान, मानक विचलन एवं "टी" मूल्य

क्र.सं	अनुभूत समस्या	सेवारत पुरुष अध्यापक		सेवारत महिला अध्यापक		
		मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान	मानक विचलन	"टी"मूल्य
1.	छात्रों के स्तर एवं व्यवहार संबंधी समस्याएँ	34.10	4.11	34.70	4.15	1.03
2.	वैयक्तिक समस्याएँ	31.35	3.95	31.95	3.99	1.07
3.	अकादमिक, व्यवसायिक विकास एवं प्रशिक्षण संबंधी समस्याएं	37.0	4.07	37.30	4.11	0.52
4.	विद्यालय प्रबंधन एवं प्रशासन संबंधी समस्याएं	36.70	5.20	38.18	5.21	2.01
5.	विद्यालय प्रभार, अतिरिक्त कार्यभार एवं गैर शैक्षणिक कार्य में समन्वयन संबंधी समस्याएँ	37.58	5.17	36 .02	4.13	3.33
6.	समय नियोजन एवं कार्य तुष्टीकरण संबन्धी समस्याएँ	32.42	4.09	33.82	4.22	2.38
7.	तकनीकी समझ एवं निष्पादन संबंधी समस्याएं	33.01	4.18	33.61	4.22	1.01
8.	छात्रों के स्तर एवं व्यवहार संबंधी समस्याएँ	35.20	4.46	35.80	4.50	0.95
	योग	277.36	23.22	281.38	24.12	1.698

स्वतंत्रता अंश = 398 **0.01 स्तर पर 2.59** **0.5 स्तर पर 1.96**

तुलनात्मक विश्लेषण– उपरोक्त सारणी संख्या 4 के आधार पर यह ज्ञात होता है कि सेवारत पुरुष (N 200) एवं सेवारत महिला (N 200) अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं से संबंधित दत्तों के मध्यमान क्रमशः 277.36 व 281.38 एवं मानक विचलन 23.22 व 24.12 प्राप्त हुए हैं।

सेवारत पुरुष एवं सेवारत महिला अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं से संबंधित दत्तों का "टी" मूल्य 1.698 प्राप्त हुआ है, जो सारणी मूल्य 2.59 (0.01 स्तर) से कम है।

अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि सेवारत पुरुष एवं सेवारत महिला अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता अनुभूत समस्याओं से संबंधित समस्त क्षेत्रों यथा शिक्षण– अधिगम प्रक्रिया से संबंधित, छात्रों के स्तर एवं व्यवहार से संबंधित, वैयक्तिक, अकादमिक, व्यवसायिक विकास एवं प्रशिक्षण से संबंधित, विद्यालय प्रबंधन एवं प्रशासन से संबंधित, विद्यालय प्रभार, अतिरिक्त कार्यभार एवं गैर शैक्षणिक कार्य में समन्वयन से संबंधित, समय नियोजन एवं कार्य तुष्टीकरण से संबंधित, तकनीकी समझ एवं निष्पादन से संबंधित समस्याओं में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

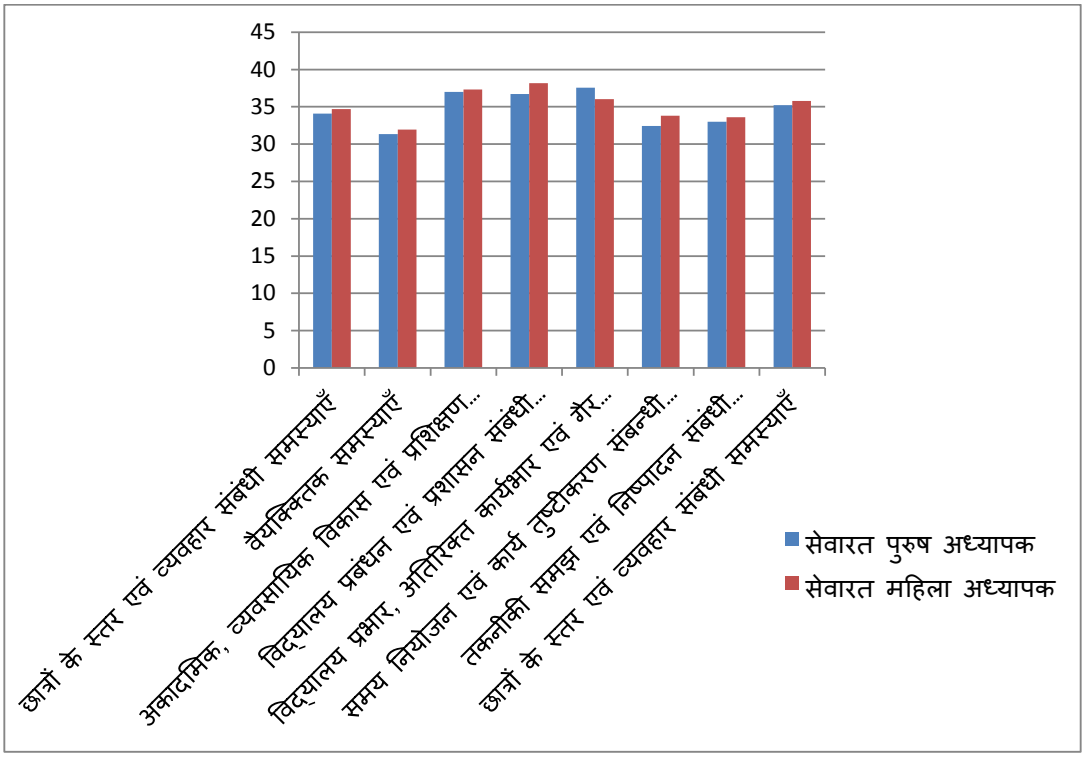
तथापि सेवारत पुरुष अध्यापकों की अपेक्षा सेवारत महिला अध्यापकों में गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याएँ अधिक पाई गई।

ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218

I S S N NO. - 2347 – 2944 (Print)
e–I S S N NO.- 2582 – 2454 (Online)
Vol.-20, No.- III, Issues-41, YEAR- July-Sept. 2026

आरेख संख्या 4

सेवारत पुरुष (N 200) एवं महिला (N 200) अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं से संबंधित दत्तों के मध्यमान



क्षेत्रानुसार तुलनात्मक विश्लेषण– सेवारत पुरुष एवं सेवारत महिला अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं से संबंधित क्षेत्र I 'शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया से संबंधित समस्याएँ', क्षेत्र II 'छात्रों के स्तर एवं व्यवहार से संबंधित समस्याएँ', क्षेत्र III 'वैयक्तिक समस्याएँ' एवं क्षेत्र IV 'अकादमिक,व्यवसायिक विकास एवं प्रशिक्षण से संबंधित समस्याएँ', के दत्तों के मध्यमान क्रमशः 34.10, 31.35, 37.03, 36.70 व 34.70, 31.95, 37.30, 38.18 एवं मानक विचलन क्रमशः 4.11, 3.95, 4.07, 5.20 प्राप्त हुए हैं । सेवारत पुरुष एवं सेवारत महिला अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं से संबंधित दत्तों के "टी" मूल्य क्रमशः 1.03, 1.07, 0.52, 2.01 प्राप्त हुए हैं, जो सारणी मूल्य 2.59 (0.01 स्तर) से अत्यंत कम हैं। अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि सेवारत पुरुष एवं सेवारत सेवारत महिला अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं के क्षेत्र I 'शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया से संबंधित समस्याएँ', क्षेत्र II 'छात्रों के स्तर एवं व्यवहार से संबंधित समस्याएँ', क्षेत्र III 'वैयक्तिक समस्याएँ' एवं क्षेत्र IV 'अकादमिक,व्यवसायिक विकास एवं प्रशिक्षण से संबंधित समस्याएँ' में क्रमशः सार्थक अंतर नहीं पाया गया। तथापि सेवारत पुरुष अध्यापकों की अपेक्षा सेवारत महिला अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याएँ अधिक पाई गई। सेवारत पुरुष एवं सेवारत महिला अध्यापकों द्वारा चारों क्षेत्रों में क्रमशः शिक्षण कार्य बाधित रहना, समय पर कार्य पूर्ण न होना, शिक्षण तैयारी का पर्याप्त समय न मिलना, दैनंदिनी नहीं भर पाना, विषयगत शिक्षण में अंतराल रहना, सीसीई के लिए समय कम पढना, कार्य का बोझ बढना, रचनात्मक गतिविधियों हेतु समय नियोजित नहीं कर पाना, छात्रों की व्यक्तिगत एवं विषय संबंधित समस्याओं को सुलझाने में समय कम मिलना, नवाचारों हेतु तैयारी का अभाव रहना आदि, छात्रों का शैक्षणिक स्तर घटना, छात्रों में अनुशासनहीनता का बढ़ना, छात्र आचरण सुधारने में असमर्थ महसूस करना, छात्रों की विद्यालय में अरुचि बढना, छात्रों का अनियंत्रित होना, सह शैक्षणिक गतिविधियों के आयोजन में असहज रहना, मानसिक दबाव, छात्रों में नैतिक एवं सामाजिक मूल्यों के विकास की प्रक्रिया धीमी होना, उपस्थिति को बनाए रखना आदि, असहज महसूस करना, शैक्षणिक कार्य आवंटन में व जांच करने में समय अभाव रहना, समय पर कार्य गुणात्मक तरीके से पूर्ण न होने से तनाव में रहना, कार्य निष्पादन संबंध तनाव, स्वास्थ्य संबंधी परेशानियाँ, व्यक्तिगत एवं पारिवारिक जीवन संबंधी असंतोष बढना, शिक्षक कम कार्यालय कर्मी अधिक होने लगना, आत्मसम्मान बनाए रखने, शारीरिक एवं मानसिक आराम संबंधी, नियमित एवं आवंटित ड्यूटी के मध्य सामंजस स्थापित करने में परेशानी, अत्यधिक कार्य दबाव आदि, विषय ज्ञान अपडेट हेतु समय कम मिलना, स्वाध्याय हेतु समय नियोजन न कर पाना, आधुनिक तकनीकी को समझने का समय कम मिल पाना, शिक्षणेतर प्रतिभा का विकास करने में असमर्थ महसूस करना, व्यावसायिक दक्षता बढ़ाने के अवसर नहीं जुटा पाना, सहकर्मियों के साथ चर्चा का अभाव, आधुनिक शिक्षण एवं तकनीकी उपकरणों का उपयोग नहीं कर पाना साथ ही नहीं सीख पाना। जीवन की उन्नति में पिछड़ना। केवल औपचारिकताएँ पूरी करने में लगे रहना, वास्तविक शिक्षण क्षमता एवं कौशल के अनुसार कार्य निष्पादन नहीं कर पाना आदि समस्याएँ समान रूप से अनुभूत की गई ।

सेवारत पुरुष एवं सेवारत महिला अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं से संबंधित क्षेत्र V 'विद्यालय प्रबंधन एवं प्रशासन से संबंधित समस्याएँ', क्षेत्र VI 'विद्यालय प्रभार, अतिरिक्त कार्यभार एवं गैर शैक्षणिक कार्य में समन्वयन से संबंधित समस्याएँ', क्षेत्र VII 'समय नियोजन एवं कार्य तुष्टीकरण से संबंधित समस्याएँ' एवं क्षेत्र VIII 'तकनीकी समझ एवं निष्पादन से संबंधित समस्याएँ' के दत्तों के मध्यमान क्रमशः 37.58, 32.42, 33.01, 35.20 व 34.70, 36.02, 33.82, 33.61, 35.80 एवं मानक विचलन

क्रमशः 5.17, 4.09, 4.18, 4.46 व 4.13, 4.22, 4.22, 4.50 प्राप्त हुए हैं। सेवारत पुरुष एवं सेवारत महिला अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं से संबंधित दत्तों के "टी" मूल्य क्रमशः 3.33, 2.38, 1.01, 0.95 प्राप्त हुए हैं, जो सारणी मूल्य 2.59 (0.01 स्तर) से अत्यंत कम हैं। अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि सेवारत पुरुष एवं सेवारत सेवारत महिला अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं के क्षेत्र V 'विद्यालय प्रबंधन एवं प्रशासन से संबंधित समस्याएँ', क्षेत्र VI 'विद्यालय प्रभार, अतिरिक्त कार्यभार एवं गैर शैक्षणिक कार्य में समन्वयन से संबंधित समस्याएँ', क्षेत्र VII 'समय नियोजन एवं कार्य तुष्टीकरण से संबंधित समस्याएँ' एवं क्षेत्र VIII 'तकनीकी समझ एवं निष्पादन से संबंधित समस्याएँ' में क्रमशः सार्थक अंतर नहीं पाया गया। तथापि सेवारत पुरुष अध्यापकों की अपेक्षा सेवारत महिला अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याएँ अधिक पाई गई। सेवारत पुरुष एवं सेवारत महिला अध्यापकों द्वारा चारों क्षेत्रों में क्रमशः विद्यालय के दैनिक कार्यों, विद्यालय संचालन, व्यवस्थापन, प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों के मध्य समन्वयन, विद्यालय दस्तावेजों के संधारण, विद्यालय हेतु आवंटित बजट का उपयोग करने, समय नहीं मिल पाना, विद्यालय में आयोजित गतिविधियों एवं आवंटित कार्यों के मध्य सामंजस व नहीं कर पाना, लाइब्रेरी, लैब आदि कक्षों का नियमित उपयोग नहीं कर पाना, विद्यालय एवं कार्य क्षेत्र के बीच छात्रों एवं स्वयं हेतु समय नियोजित करने संबंधी, विद्यालय की दीर्घकालिक योजनाओं में सहयोग संबंधी, अनुशासन एवं सुरक्षा व्यवस्था संबंधी, गैर शैक्षणिक कार्यों में सलंग्नता एवं अतिरिक्त दबाव का बढ़ना और शैक्षणिक कार्यों एवं गैर शैक्षणिक कार्यों की समय सीमा तय होना, ऑनलाइन कार्य करने संबंधी, मूल्यांकन प्रभावित रहना, अतिरिक्त कार्य के एवं भौतिक बोझ का दबाव, विद्यालय के प्रभार व अन्य प्रभार को संभालने के साथ अन्य कार्य करने संबंधी, अशैक्षणिक कार्य के साथ प्रशासनिक विसंगतियां, संस्था प्रधान एवं सहकर्मियों के साथ समन्वयन स्थापना संबंधी, विद्यालय के आंतरिक पक्षों में असक्रिय रहने संबंधी, डाटा को तकनीकी रूप में संधारित करने में समस्या, तकनीकी समझ एवं कार्यों का संपादन समस्या, तकनीकी उपकरणों की अनुपलब्धता, हर बार नवीन कार्य हेतु नवीन तकनीकी की समझ बनाना, उपकरणों निष्पादन हमेशा कठिन पड़ता है, नवीन उपकरणों को संचालित करना कठिन, स्क्रीन उपयोग से मानसिक एवं दृष्टि संबंधी समस्याओं का सामना, तकनीकी उपकरणों पर पूर्णतः निर्भरता, समय प्रबंधन बिगड़ना, अपनी मूल भूमिका (पढना–पढ़ाना) के साथ न्याय नहीं कर पाना, समय की कमी के कारण रचनात्मक और आनंददायी शिक्षण की परिकल्पना अधूरी रह जाना, कार्य प्राथमिकताओं का निर्धारण, 'वर्क–लाइफ बैलेंस/कार्य– जीवन असंतुलन, केवल "ड्यूटी पूरी करने" की मानसिकता से रचनात्मकता में घटाव, अनपेक्षित ड्यूटी आदेश आदि समस्याओ का सामना समान रूप से करना पड़ता है।

निष्कर्ष–

1. सेवारत अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओ का स्तर उच्च पाया गया। सेवारत अध्यापकों द्वारा गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से समझ एवं निष्पादन से संबंधित समस्याएं अनुभूत की जाती हैं।
2. सेवारत पुरुष अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओ का स्तर उच्च पाया गया। सेवारत पुरुष अध्यापकों द्वारा गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से समस्याएँ अधिकांशतः अनुभूत की जाती हैं।
3. सेवारत महिला अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओ का स्तर उच्च पाया गया। सेवारत महिला अध्यापकों द्वारा गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से संबंधित क्षेत्रों समझ एवं निष्पादन से संबंधित समस्याएँ अधिकांशतः अनुभूत की जाती हैं।
4. सेवारत पुरुष एवं सेवारत महिला अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता अनुभूत समस्याओं से संबंधित समस्त क्षेत्रों में सार्थक अंतर नहीं पाया गया। तथापि सेवारत पुरुष अध्यापकों की अपेक्षा सेवारत महिला अध्यापकों में गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याएँ अधिक पाई गई ।

परिकल्पना के अनुसार निष्कर्ष– परिकल्पना संख्या 1 "सेवारत पुरुष एवं महिला अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता", स्वीकार की जाती है।

सारांश– प्रस्तुत शोध आलेख "सेवारत अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन से संबंधित है। यह शोध आलेख सर्वेक्षण विधि को आधार बनाकर 400 के न्यादर्श पर स्व निर्मित उपकरण के माध्यम से दत्तों का संग्रहण कर संपन्न किया गया। प्रस्तुत आलेख क्रमशः निम्न "सेवारत अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।" को आधार बना कर सम्पन्न किया गया। आलेख में अध्ययन का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। अध्ययन के पश्चात निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि सेवारत अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याओ का स्तर उच्च पाया गया। सेवारत अध्यापकों द्वारा गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से समझ एवं निष्पादन से संबंधित समस्याएं अनुभूत की जाती हैं। सेवारत पुरुष एवं सेवारत महिला अध्यापकों की गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से संबंधित अनुभूत समस्याओं के समस्त क्षेत्रों में सार्थक अंतर नहीं पाया गया। तथापि सेवारत पुरुष अध्यापकों की अपेक्षा सेवारत महिला अध्यापकों में गैर शैक्षणिक कार्यक्रमों में संलग्नता से अनुभूत समस्याएँ अधिक पाई गई ।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. सुखिया एवं मेहरोत्रा (1984): "एलिमेण्ट्स एज्युकेशनल रिसर्च एलाईड पब्लिकेशन्स प्रा. लि., नई दिल्ली, भारत।
2. जे. एस. कुलकर्णी, (2018): "शिक्षकों की गैर शैक्षणिक कार्यों में व्यस्तता और ग्रामीण व नगरीय विद्यालयों के परीक्षा परिणामों पर प्रभाव". नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, भारत।
3. ए. दीक्षित, (2016): "उच्च प्राथमिक स्तर के शिक्षकों की गैर शैक्षणिक कार्यों में सहभागिता से उत्पन्न व्यावहारिक समस्याएं". अप्रकाशित शोध प्रबंध, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, भारत।
4. जे. डब्ल्यू. बेस्ट, (1959): "रिसर्च इन एज्यूकेशन", न्यूयॉर्क, प्रेण्टिस हॉल ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली, भारत।
5. कैलाशनाथ नागर (2017): "सांख्यिकी के मूल तत्व" मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ, भारत।
6. एच. के. कपिल (2011): अनुसंधान विधियाँ, एच.पी. भार्गव हाऊस, आगरा, भारत।
7. एस. पी. गुप्ता (2015), अनुसंधान संदर्शिका, शारदा पुस्तक भवन, इलाहबाद, भारत।
8. डॉ. अंशु मंगल व अन्य (2002), "शैक्षिक अनुसंधान की विधियाँ एवं शैक्षिक सांख्यिकी" राधा प्रकाशन मन्दिर, आगरा, भारत।

*****